आदिरंग शिल्पकार महोत्सव के समापन समारोह में शामिल होंगे मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार 23 जून को राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान मध्यप्रदेश (एनआईडी एमपी) परिसर, अचारपुरा में आयोजित आदिरंग शिल्पकार महोत्सव 2026 के समापन समारोह में शामिल होंगे। कार्यक्रम का आयोजन एनआईडी मध्यप्रदेश और वन्या, जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री महोत्सव में जनजातीय शिल्पकारों द्वारा तैयार किए गए नवाचारपूर्ण उत्पादों और डिजाइन हस्तक्षेपों की प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। साथ ही वे शिल्पकारों, डिजाइन विशेषज्ञों और प्रतिभागियों से संवाद भी करेंगे। कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. विजय शाह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। पांच दिवसीय महोत्सव में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए 140 से अधिक जनजातीय शिल्पकार भाग ले रहे हैं। भील, गोंड, बैगा सहित विभिन्न जनजातीय समुदायों के कलाकार अपनी पारंपरिक कला, शिल्प और हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यशालाओं में शिल्पकारों ने एनआईडी के विशेषज्ञों और छात्र स्वयंसेवकों के सहयोग से बाजार की मांग के अनुरूप नए उत्पाद भी विकसित किए हैं।

यूसीसी पर कांग्रेस समेत 4 दलों ने बनाई दूरी: अंतिम बैठक में नहीं पहुंचे विपक्षी नेता

भाजपा बोली- महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा से भाग रहा विपक्ष

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मसौदा तैयार करने की दिशा में राज्य स्तरीय समिति ने अंतिम दौर की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की, लेकिन इस बैठक में कांग्रेस समेत चार प्रमुख राजनीतिक दलों की अनुपस्थिति चर्चा का विषय बन गई। भाजपा ने विपक्ष पर महत्वपूर्ण मुद्दों से बचने का आरोप लगाया, जबकि सीपीएम ने यूसीसी का खुलकर विरोध दर्ज कराया। राजधानी भोपाल स्थित प्रशासन अकादमी में आयोजित बैठक में सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश एवं समिति की अध्यक्ष

रंजना प्रकाश देसाई दिल्ली में व्यस्तता के कारण शामिल नहीं हो सकीं। उनकी अनुपस्थिति में समिति के अन्य सदस्यों ने विभिन्न आयोगों, विभागों और राजनीतिक दलों से सुझाव लिए।

बैठक के लिए भाजपा, कांग्रेस, बसपा, आम आदमी पार्टी, सीपीएम समेत छह राष्ट्रीय दलों को आमंत्रित किया गया था, लेकिन केवल भाजपा और सीपीएम के प्रतिनिधि ही पहुंचे। कांग्रेस सहित अन्य दलों की गैरमौजूदगी पर भाजपा ने सवाल उठाते हुए कहा कि विपक्ष संवेदनशील विषयों पर अपनी जिम्मेदारी निभाने से बच रहा है।

बैठक के दौरान सीपीएम के प्रतिनिधि पी.वी. रामचंद्रन ने यूसीसी का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, महंगाई और अन्य जनसमस्याओं के बीच सरकार समान नागरिक संहिता लागू करने की तैयारी कर रही है, जो आदिवासी और अन्य वर्गों के हितों के खिलाफ हो सकती है।वहीं भाजपा की ओर से प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी और एस.एस. उप्पल ने समिति को लिखित सुझाव सौंपे। इनमें विदेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों (एनआरआई)के विवाह का अनिवार्य पंजीयन, विवाह-विच्छेद, उत्तराधिकार और गोद लेने संबंधी कानूनों में समानता जैसे प्रस्ताव शामिल बताए गए।

समिति अब विभिन्न विभागों, आयोगों, राजनीतिक दलों, धर्मगुरुओं और सामाजिक संगठनों से प्राप्त सुझावों का परीक्षण करेगी। इसके बाद यूसीसी के मसौदे को अंतिम रूप दिया जाएगा। माना जा रहा है कि आगामी मानसून सत्र में इस संबंध में विधेयक लाने की तैयारी भी की जा रही है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने चीता मित्रों से की चर्चा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने अपने दो दिवसीय कूनो नेशनल पार्क प्रवास के दौरान सोमवार को चीता मित्रों से संवाद कर चीता संरक्षण एवं पुनर्स्थापन परियोजना की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने चीतों की सुरक्षा और जन-जागरूकता के क्षेत्र में कार्य कर रहे चीता मित्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके योगदान को महत्वपूर्ण बताया।

राष्ट्रपति ने चीता मित्रों से वन-टू-वन चर्चा कर जाना कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में चीतों के संरक्षण को लेकर किस प्रकार जागरूकता फैला रहे हैं। चीता मित्रों ने बताया कि कूनो नेशनल पार्क से लगे सभी गांवों में स्वयंसेवकों का नेटवर्क सक्रिय है, जो ग्रामीणों को चीतों के व्यवहार, सुरक्षा उपायों और वन्यजीव संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी देता है। ग्रामीणों को यह भी समझाया जा रहा है कि चीते स्वभाव से मनुष्यों पर हमला नहीं करते तथा यदि कोई चीता आबादी क्षेत्र या खेतों में दिखाई दे तो तत्काल वन विभाग को सूचना दी जाए।

चीता मित्रों ने राष्ट्रपति को अवगत कराया कि उनकी सक्रियता के कारण ग्रामीणों और वन विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हुआ है, जिससे चीतों की निगरानी और सुरक्षा में मदद मिल रही है। राष्ट्रपति ने इस पहल को भारत में चीता पुनर्स्थापन परियोजना की सफलता के लिए महत्वपूर्ण बताया।

संवाद कार्यक्रम में कुलदीप आदिवासी, संग्राम आदिवासी, राजनंदनी आदिवासी, मल्हा आदिवासी, शिवम आदिवासी, विनोद आदिवासी, रामलखन आदिवासी, लालाराम आदिवासी, दौलतराम आदिवासी और सतीश आदिवासी सहित अनेक चीता मित्र उपस्थित रहे। इस अवसर पर वन विभाग के प्रमुख सचिव संदीप यादव, पीसीसीएफ शुभरंजन सेन, आईजी सचिन अतुलकर, कलेक्टर शीला दाहिमा, पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल सहित वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। कूनो नेशनल पार्क में चीता पुनर्स्थापन परियोजना को साढ़े तीन वर्ष से अधिक समय हो चुका है। वर्तमान में देश में कुल 52 चीते हैं, जिनमें 49 कूनो नेशनल पार्क और तीन गांधी सागर अभयारण्य में मौजूद हैं। इनमें 32 चीते भारत में जन्मे हैं, जो परियोजना की सफलता का महत्वपूर्ण संकेत हैं। कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु हेलीकॉप्टर से ग्वालियर के लिए रवाना हुईं।

जो हमें काफिर मानते हैं वो हमारी बनाई सड़कों पर नहीं चलें : मंत्री विजयवर्गीय

नईदुनिया ब्यूरो, इंदौर: प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य हो रहा है, वहां विभिन्न समुदायों के लोग निवास करते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग उन्हें काफिर कहते हैं, लेकिन उनकी सरकार ने कभी किसी के साथ भेदभाव नहीं किया।

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि यदि कोई उन्हें काफिर मानता है तो उसे उनकी बनाई सड़कों का

उपयोग नहीं करना चाहिए और न ही सरकार की योजनाओं का लाभ लेना चाहिए। उन्होंने लाड़ली बहना और लाड़ली लक्ष्मी जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार सभी वर्गों के लिए समान रूप से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार और पार्टी की नीति 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' रही है। इसी भावना के साथ विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता उन्हें समर्थन दे या न दे, उनका दायित्व जनता की सेवा करना है और विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

मंत्री ने कहा कि राजनीतिक समर्थन मिलने पर कार्यों को और अधिक उत्साह के साथ किया जाएगा, लेकिन समर्थन न मिलने की स्थिति में भी विकास की गति नहीं रुकेगी। उन्होंने दोहराया कि सरकार का उद्देश्य सभी नागरिकों तक विकास और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है तथा किसी भी वर्ग के साथ भेदभाव नहीं किया जाता।

किसान के घर 12 लाख रुपए की डकैती

नईदुनिया प्रतिनिधि, कुक्षी: धार जिले के निसरपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम पुरा में रविवार रात छह सशस्त्र बदमाशों ने एक किसान के घर डकैती की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश किसान अमृतलाल पाटीदार के घर से लगभग सात तोला सोना, दो लाख रुपये नकद तथा चांदी के आभूषण लूट ले गए। कुल नुकसान करीब 12 लाख रुपये बताया गया है। जानकारी के अनुसार बदमाशों ने कटर से मुख्य लोहे का दरवाजा काटकर घर में प्रवेश किया। आवाज सुनकर किसान की नींद खुली, लेकिन एक बदमाश ने उनकी गर्दन पर हथियार अड़ाकर उन्हें चुप रहने को मजबूर कर दिया। इसके बाद बदमाशों ने अलमारी और दराजों से नकदी व जेवर समेट लिए। घटना के समय घर में किसान और उनकी बहू ही मौजूद थे। वारदात के बाद ग्रामीणों ने बदमाशों की तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला।

मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित हुई 64 योगिनी पर आधारित डॉक्यूमेंट्री

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: 19वें मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ) 2026 में मध्यप्रदेश के मुरैना स्थित मितावली के 64 योगिनी मंदिर पर आधारित डॉक्यूमेंट्री 'वाय 64 - व्हिस्पर्स ऑफ द अनसीन' का प्रदर्शन किया गया। संस्कृति विभाग और काली ट्रस्ट के सहयोग से निर्मित इस डॉक्यूमेंट्री को पहली बार अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव प्रभात ने कलाकार एवं साधक डॉ. बीना उन्नीकृष्णन और उनकी टीम को सम्मानित किया।

डॉक्यूमेंट्री 64 योगिनी परंपरा, भारतीय आध्यात्मिक विरासत और महिला शक्ति के विविध आयामों को प्रस्तुत करती है। मध्यप्रदेश के

अपर मुख्य सचिव संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि मितावली, जबलपुर और खजुराहो के 64 योगिनी मंदिर भारतीय स्थापत्य कला के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उन्होंने बताया कि मितावली का 64 योगिनी मंदिर देश के पुराने संसद भवन की वास्तुकला के लिए प्रेरणा स्रोत माना जाता है और यह यूनेस्को की अस्थायी विश्व धरोहर सूची में भी शामिल है।

डॉ. बीना उन्नीकृष्णन ने बताया कि उन्होंने लगभग साढ़े बारह वर्ष पहले 64 योगिनियों के चित्रांकन का कार्य शुरू किया था, जो समय के साथ एक व्यापक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अभियान में बदल गया।

इस वर्ष उन्होंने 64 मूल चित्रों के साथ 14 शहरों की करीब 15 हजार किलोमीटर लंबी यात्रा कर लोगों को योगिनी परंपरा से परिचित कराया।

तीन दिवसीय शास्त्रीय संगीत समारोह 3 जुलाई से

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: भारत भवन के अनहद विभाग द्वारा 3 से 5 जुलाई तक तीन दिवसीय शास्त्रीय संगीत समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में देश के प्रतिष्ठित शास्त्रीय गायक अपनी प्रस्तुतियों से संगीत प्रेमियों को भारतीय संगीत की समृद्ध परंपरा से रूबरू कराएंगे।

भारत भवन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रेम शंकर शुक्ल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ 3 जुलाई को शाम 7 बजे स्वाति तिवारी के गायन से होगा, जिसके बाद प्रसिद्ध गायिका अश्विनी भिड़े देशपांडे प्रस्तुति देंगी। 4 जुलाई को आस्था गोस्वामी और रुचिरा केदार की गायन जुगलबंदी आकर्षण का केंद्र रहेगी। समापन दिवस 5 जुलाई को डॉ. ऋषि मिश्र और मंजरी असनारे केलकर की प्रस्तुतियां होंगी।

आज से 6 जुलाई तक मनाया जाएगा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पखवाड़ा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय चेतना के लिए समर्पित रहा। उनकी पुण्यतिथि 23 जून से जयंती 6 जुलाई तक प्रदेशभर में विशेष पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने नगरीय निकायों के महापौरों और नगरपालिका अध्यक्षों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए यह निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने वर्ष 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना की और राष्ट्रहित को दलगत राजनीति से ऊपर रखने का संदेश दिया। जम्मू-कश्मीर में विशेष व्यवस्था के विरोध में उनका आंदोलन और

बलिदान राष्ट्रीय एकीकरण का महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। पखवाड़े के दौरान युवा सम्मेलन, निबंध प्रतियोगिता, संवाद कार्यक्रम तथा जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन केवल स्मरण तक सीमित न रहे, बल्कि जनसेवा का अभियान बने। इसके तहत पौधरोपण, स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर और स्वास्थ्य शिविर जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएं।

उन्होंने सुझाव दिया कि नगरीय निकाय आवश्यक प्रक्रियाओं और स्वीकृतियों का पालन करते हुए सड़कों, उद्यानों और अन्य सार्वजनिक स्थलों का नामकरण डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पखवाड़ा सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को मजबूत करने का अवसर बनेगा।

रायपुर की बेटी आईएएस श्रद्धा शुक्ला अब मध्यप्रदेश में संभालेंगी जिम्मेदारी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: 2022 बैच की आईएएस अधिकारी श्रद्धा शुक्ला का कैडर तेलंगाना से बदलकर मध्यप्रदेश कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने कॉमन कैडर पॉलिसी के तहत इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। अब श्रद्धा शुक्ला मध्यप्रदेश कैडर में अपनी सेवाएं देंगी। श्रद्धा शुक्ला रायपुर की रहने वाली हैं और कांग्रेस के संचार विभाग के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला की पुत्री हैं। उनका विवाह कुछ माह पूर्व मध्यप्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी ऐश्वर्या वर्मा से हुआ था। विवाह के बाद दंपती ने एक ही राज्य में सेवाएं देने के लिए कॉमन कैडर नीति के तहत आवेदन किया था। केंद्र सरकार की इस नीति के तहत पति-पत्नी दोनों अखिल भारतीय सेवा के अधिकारी होने पर उन्हें यथासंभव एक ही राज्य में पदस्थापना देने का प्रावधान है। इसी व्यवस्था के तहत श्रद्धा शुक्ला का कैडर परिवर्तन कर उन्हें मध्यप्रदेश आवंटित किया गया है। कैडर परिवर्तन की सूचना सामने आने के बाद प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में इसकी चर्चा है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में उन्हें मध्यप्रदेश में महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने सड़क हादसे पर दुःख जताया

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए सड़क हादसे में पांच लोगों की असमय मृत्यु पर गहन दुःख व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपये, गंभीर घायलों को एक-एक लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने तथा घायलों के निःशुल्क उपचार के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोकाकुल परिजन को यह दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

सहकारिता चुनाव के लिए कांग्रेस ने बनाई हाई-पावर कमेटी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मध्यप्रदेश में आगामी सहकारिता चुनावों को लेकर कांग्रेस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करने और किसानों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के लिए पार्टी ने सात सदस्यीय हाई-पावर कमेटी का गठन किया है।

यह समिति चुनावी रणनीति तैयार करने के साथ सहकारिता क्षेत्र में कांग्रेस की सक्रियता बढ़ाने का काम करेगी।

कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि सहकारिता संस्थाओं पर पकड़ ग्रामीण राजनीति और किसान वर्ग तक पहुंच मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी उद्देश्य से अनुभवी नेताओं को समिति में जिम्मेदारी सौंपी गई है।

गठित समिति में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव, पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह, वरिष्ठ नेता अशोक सिंह, भगवान सिंह यादव, भंवर सिंह शेखावत, चंद्रिका प्रसाद द्विवेदी और वीरेंद्र गिरी गोस्वामी को शामिल किया गया है।

समिति किसानों की समस्याओं, खाद-बीज की उपलब्धता, कृषि ऋण, फसलों के उचित दाम और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर भी फोकस करेगी। कांग्रेस का मानना है कि सहकारिता चुनाव केवल संस्थाओं का चुनाव नहीं, बल्कि गांवों में राजनीतिक आधार मजबूत करने का भी अवसर हैं।

निर्देश *स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपलब्धियों की जानकारी देंगे प्रभारी मंत्री...*

विकास कार्यों का जिला स्तर पर होगा प्रस्तुतीकरण: डॉ. यादव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्देश दिए हैं कि स्वतंत्रता दिवस पर जिला मुख्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान प्रभारी मंत्री अपने-अपने जिलों में हुए विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण करेंगे। इसके साथ ही समारोह स्थलों पर विकास कार्यों और योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनियां भी लगाई जाएंगी, जिससे आमजन को सरकारी उपलब्धियों की जानकारी मिल सके।

सोमवार को मंत्रालय में योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी

विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला विकास समितियों का सम्मेलन राजधानी भोपाल में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने समितियों को विकास गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयास करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा किफायती आवासों के निर्माण में पर्यावरण अनुकूल भवन निर्माण सामग्री के उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने राज्य के विभागवार, संभागवार और जिलावार सांख्यिकी आंकड़ों को एक ही मंच पर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

बैठक में जन्म एवं मृत्यु पंजीयन व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने विश्राम घाटों पर ही मृत्यु पंजीयन की सुविधा प्रारंभ करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे विशेष रूप से ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों के लोगों को मृत्यु प्रमाण-पत्र प्राप्त करने में सुविधा होगी।

बैठक में जानकारी दी गई कि सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम से अब तक एक लाख 37 हजार से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं। वहीं जल गंगा संवर्धन अभियान में विभिन्न समितियों की सक्रिय भागीदारी से जल संरक्षण गतिविधियों को गति मिली है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com